कैम्पस कनेक्ट

राम लाल आनंद महाविद्यालय का मासिक ई-न्यूज़लेटर

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का प्रकाशन | नई दिल्ली, नवम्बर 2024 | वर्ष 2, अंक 13, पृष्ठ 4

कविता दिल से जुड़ी होती है : लालित्य ललित

कवि के अंदर मैं की भावना नहीं रहती तो वह कवि होता है, कवि के लिए मजबूत होना पड़ता है : प्रो. राकेश कुमार

आयुष प्रजापति

नई दिल्ली। मुझे लिखने का शौक है। विसंगतियां मुझसे लिखवा लेती हैं। संवेदनशील होना लेखक का पहला शौक है। कविता दिल से जुड़ी होती है। यह बात राम लाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की काव्य पाठ प्रतियोगिता में कवि डॉ. लालित्य ललित ने कही। 10 अक्टूबर को हुए काव्य पाठ में उन्होने कहा कि आज काव्य पाठ में आकर मैं अपने कॉलेज के समय में लौट आया हूं।

उन्होंने अपनी रचनाओं में विलायती राम पांडेय का जिक्र करते हुए कहा कि पांडेय जी मुख्य व्यवस्था में कार्य करते थे। उन्होंने अपनी पुरानी रचना 'गांव के खत शहर के नाम' सुनाकर विद्यार्थियों को उत्साहित किया। पत्रकारिता विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि विभाग अपने सत्र की शुरुआत कविता से करता है। कविता और खबर दो अलग विषय हैं। कविता संवेदनाओं का क्षेत्र है, जो खबरों में नहीं होती। पत्रकारिता साहित्य से दूर नहीं रही। ज्यादातर पत्रकार कवि रहे। प्रो. राकेश ने डॉ. लालित्य ललित के बारे में बताया कि वह रोज लिखते हैं। यह सब सोचने से होता है। कविता केवल कोमल अनुभूति नहीं है, जो सत्ता के सामने झुक जाए। कविता भाषा की सशक्त अभिव्यक्ति है। जब कवि के अंदर मैं की भावना नही रहती तो वह कवि होता है। कवि होने के लिए मजबूत होना पड़ता है, जैसे मजबूती का नाम गांधी है।

प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के अलग अलग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रेम, देशभक्ति, महिला, खेल और गांव से लेकर शहर जैसे विषयों पर अपनी स्वरचित कविताएं प्रस्तुत कीं। इस बीच कार्यक्रम समन्वयक विभाग के शिक्षक डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा भारती ने अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत की। निर्णायक के रूप में हिंदी विभाग की डॉ. एनी रे और इतिहास विभाग की डॉ. शची मीना रहीं।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निधि और द्वितीय स्थान राखी ने हासिल किया। तृतीय स्थान पर अंकिता सिंह और प्रशस्ति सिंह रहे। इस मौके पर पत्रकारिता विभाग की डॉ. निशा सिंह, सुश्री श्वेता आर्या, हिंदी विभाग के डॉ. रोशनलाल मीणा, रेडियो तरंग की फरजीन सुल्तान सहित कई शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।



राम लाल आनंद महाविद्यालय में कवि लालित्य ललित ने विद्यार्थियों को रचना प्रक्रिया के बारे में बताया।

अंग्रेजी गीतों से परखी विद्यार्थियों की प्रतिभा

राहुल गुप्ता

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की ग्रासरूट्स वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी ने 3 अक्टूबर को नए सदस्यों को जोड़ने की पहल की। इसमें विभिन्न विभागों के 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर समिति की सहसंयोजक डॉ. सलोमी एम. जॉन ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। साथ ही चयन प्रक्रिया के नियमों के बारे में बताया। तत्पश्चात प्रतिभागियों की प्रस्तुति से उनका आंकलन किया गया।

प्रतिभागियों ने अपनी पसंद के अंग्रेजी गाने प्रस्तुत किए। निर्णायक की भूमिका विद्यार्थियों के समूह ने निभाई, जिसमें अफरीद, वाशु और आदिल शामिल रहे। उनके अनुभव और ज्ञान ने ऑडिशन की गुणवत्ता को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम की मेजबानी अर्णधती और कोम्या ने की।

कार्यक्रमों में फंक्शन कमेटी का योगदान

हर्षित

नई दिल्ली। आरएलएसी की इवेंट मैनेजमेंट एंड फंक्शन कमेटी ने 30 सितंबर को आयोजित ओरिएंटेशन में अपने सभी वार्षिक कार्यों के बारे में बताया। यह कमेटी समय-समय पर महाविद्यालय के मुख्य कार्यक्रमों को आयोजित कराती है। कमेटी की सह संयोजिका डॉ. सुनीला हुड्डा ने कहा कि आगामी दिनों में इवेंट और फंक्शन मैनेजमेंट पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिससे विद्यार्थी अच्छे तरीके से इवेंट और फंक्शन को व्यवस्थित करना सीख सकेंगे। इस दौरान कमेटी की संयोजिका प्रो. मुक्ता दत्ता मजूमदार और डॉ. पूजा यादव सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

चयन के साथ पूरी हुई विद्यार्थियों की 'हसरतें'

सोनिका

नई दिल्ली। उत्साह, उमंग, हंसी-मजाक और पसीना... कुछ इस तरह पूरी हुई चयन प्रक्रिया। राम लाल आनंद महाविद्यालय की नाट्य समिति हसरतें ने 3 और 4 अक्टूबर को दो दिवसीय चयन प्रक्रिया का आयोजन किया। स्पॉट राउंड के तहत आयोजित की गई इस प्रक्रिया में महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया के पहले दिन विद्यार्थियों ने खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों में भाग लिया। शारीरिक रूप से कुशल होने का पहला पड़ाव पार किया। पहले दिन ही विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार अलग-अलग टीमों में जाने का मौका दिया गया। इससे नाटक लेखन करने वाले विद्यार्थी, संगीतकार, कलाकारों को अलग-अलग टीमों में बांट दिया गया।

चयन प्रक्रिया के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों को एक निश्चित स्क्रिप्ट से चुनकर अभिनय करने के लिए कहा गया, जिससे उनके अभिनय कौशल, भावनात्मक गहराई और मंच उपस्थिति का मूल्यांकन किया जा सके। यह चयन प्रकिया अभिनय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए की गई। चुने प्रतिभागियों को अभिनय के गुर सीखने का मौका मिलेगा।

दस्तूर समिति में नई प्रतिभाओं का चयन

आर्यन यादव

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की दस्तूर सोसाइटी ने 23 सितंबर को नए सदस्यों के चयन के लिए ऑडिशन किया। चयन प्रक्रिया दो चरणों में हुई। पहले चरण में प्रतिभागियों को दिए गए गाने को गाकर सुनाना था। दूसरे चरण में विद्यार्थियों को हारमोनियम पर बजाए गए सुर को सुनकर बताना था। सभी अभ्यर्थियों ने अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने गिटार बजाकर, गानों की ताल से खेलकर अपना हुनर दिखाया। निर्णायक के रूप में दस्तूर सोसाइटी के सदस्य और कुछ पूर्व सदस्य रहे। इस दौरान समिति की संयोजिका प्रो. मुक्ता दत्ता मजूमदार मौजूद रहीं।

पंचायत आजतक का भ्रमण कर लाइव प्रसारण देखा



विभाग की शिक्षिका डॉ. निशा सिंह के साथ विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा।

खुषी शाक्या

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों ने 23 सितंबर को पंचायत आजतक हरियाणा के लाइव कार्यक्रम में हिस्सा लिया। देश का प्रतिष्ठित न्यूज चैनल आजतक ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यह कार्यक्रम आयोजित किया। इस शैक्षणिक दौरे का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पत्रकारिता के व्यावहारिक पक्ष से अवगत कराना, लाइव प्रसारण और वास्तविक पत्रकारिता को दिखाना था।

हर चुनाव पर आजतक का पंचायत कार्यक्रम आम तौर पर चुनावी माहौल और देश के ज्वलंत मुद्दों पर होता है। इसमें अलग अलग पार्टी के नेता, राष्ट्रीय प्रवक्ता और जनप्रतिनिधियों से सवाल जवाब किए जाते हैं। इस बार भी हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव के तहत राजनीति, शिक्षा और ग्रामीण विकास के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर कार्यक्रम हुआ। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया, बबिता फोगाट सहित कई बड़ी हस्तियां शामिल रहीं। इस दौरान विद्यार्थियों ने देखा कि कैसे टीवी चैनल पर लाइव कार्यक्रम के दौरान संवाद स्थापित किया जाता है। यह भी पता चला कि एक सफल एंकर को सिर्फ अपनी आवाज ही नहीं बल्कि हाव-भाव, शारीरिक भाषा और सवाल पूछने की कला पर भी ध्यान देना होता है। सवालों को कैसे व्यवस्थित करना है, कब और कैसे हस्तक्षेप करना है, इन सबके बारे में जाना। पत्रकारिता विभाग की शिक्षिका डॉ. निशा सिंह के सानिध्य में विद्यार्थी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। दिल्ली एनसीआर के ली मेरेडियन गुरुग्राम होटल में आयोजित पंचायत आजतक हरियाणा कार्यक्रम में प्रथम और द्वितीय वर्ष के 12 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

एआई समस्याओं के लिए नहीं, सुझावों के लिए

अंशिका वर्मा

नई दिल्ली। हाउ इज द जोश एआई!... पिछले दशक में प्रौद्यौगिकी क्रांति कई गुना बढ़ी है। विनिर्माण, कृषि, मोटर वाहन, स्वास्थ्य सेवा, रिटेल और दूरसंचार जैसे हर क्षेत्र में एआई और मशीनी लर्निंग शामिल है। एआई सिर्फ सुझावों के लिए है, समस्याओं के हल के लिए नहीं। हम मानव बुद्धिमत्ता से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर बढ़ रहे हैं। इसलिए हम इस सिस्टम से बाहर नहीं जा सकते। यह बात डाटा यूरोप में साइंस और एआईएमएल डॉयचे टेलीकॉम डिजिटल लैब्स के निदेशक डॉ. राजन गुप्ता ने कही।

डॉ. राजन ने एआई में संभावनाएं और उसकी चुनौतियों के बारे में बताते हुए समाज में लोगों के जीवन पर एआई के नकारात्मक प्रभावों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए कहा कि एआई नहीं बल्कि एआई इस्तेमाल करने वाला ही कोई आपकी जगह ले सकता है। विद्यार्थियों ने एआई, कॅरिअर, शिक्षा, मशीनी भाषा से जुड़े सवाल पूछकर अपनी प्रतिभागिता दिखाई।



- आरएलएसी के गणित विभाग ने एआई और मशीन लर्निंग पर सेमिनार किया
- राजन गुप्ता ने कहा-हम मानव बुद्धिमत्ता से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर बढ़ रहे

दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय के गणित विभाग के इन्फिनिटी सोसाइटी ने 3 अक्टूबर 2024 को द इंटेलीजेंस इक्वेशन : सॉल्विंग एवरीडेज चैलेंजेस विद एआई' विषय पर सेमिनार आयोजित किया। समिति संयोजक डॉ. बसंत कुमार मिश्रा ने मुख्य वक्ता का परिचय कराया। डॉ. राजन गुप्ता ने राम लाल आनंद महाविद्यालय से वर्ष 2005 में कंप्यूटर सांइस में स्नातक की पढ़ाई की है, इसकी भी जानकारी दी। मुख्य वक्ता को विभाग की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सभी विद्यार्थियों को सेमिनार के ई-प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम में प्रभारी शिक्षक डॉ. संदीप भट्ट, डॉ. हेमंत सहित कई शिक्षक शामिल रहे। इसके साथ विभाग के तीनों वर्षों के बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

कॅरिअर में मददगार है क्वार्क एक्सप्रेस पर काम करना

महाविद्यालय एवं पत्रकारिता विभाग के मासिक ई–न्यूज लेटर में मेरे लिए संपादक के तौर पर काम करना बेहद सुखद रहा। मैने समाचार पत्र से जुड़े विभिन्न पहलुओं को बारीकी से जाना। पेज लेआउट खींचना, पेज मेकअप, पेज डिजाइन, खबरों का संपादन करना और उन संपादित खबर में जगह की उपलब्धता के अनुसार बदलाव करना शामिल रहा। साथ ही खबरों में फोटो चयन, कैप्शन, क्रॉसर, शीर्षक आदि पर ध्यान दिया। इस क्रम में खबरों के समय पर न आने के कारण सहपाठियों से लगातार बातचीत करनी पड़ी। उनकी खबरों को अपनी समझ के अनुसार जांचा–परखा। उनमें सुधार करने का प्रयास किया।



उत्कर्ष कुमार

प्रथम वर्ष के साथियों से मालूम चला कि कैसे वह पहली बार किसी आयोजन में शामिल होकर नोट्स लिए। इसमें उनकी दुविधाओं को समझने का प्रयास किया। साथ ही समझा कि किसी आयोजन के किन बिंदुओ को नोट्स में शामिल करना है और किसे नहीं। उन नोट्स को खबर में परिवर्तित करने में आने वाली मुश्किलों का किस तरह सामना किया। इन सभी पक्षों का निदान करने का प्रयास किया। पत्रका. रिता में समय के महत्व को समझा। जिस प्रकार दवा कितनी भी किफायती असरदार क्यों न हो, पर समय से मरीज को न मिले तो उसके लिए उसका महत्व नहीं रह जाता। ठीक उसी प्रकार पत्रकारिता में कोई खबर कितनी भी अच्छी क्यों न हो अगर समय से न मिले तो उसका भी महत्व नहीं रह जाता। इसी के साथ सहयोग के लिए विभागीय शिक्षक डॉ. अटल तिवारी और अपने मित्रों को धन्यवाद देता हूं।

चन्द्र किशोर को श्रीलाल शुक्ल स्मृति सम्मान

खुशी वशिष्ठ

नई दिल्ली। चन्द्र किशोर जायसवाल हिंदी के सशक्त और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लेखक हैं। इनकी रचनाएं आज के सामाजिक परिवेश का यथार्थ और आशावादी चित्रण करती हैं। जायसवाल मूलत ग्रामीण चेतना के कथाकार हैं। इनके कथा साहित्य में बदलते सामाजिक मूल्यों की विस्तृत व्याख्या पेश की गई है। उनके साहित्यिक योगदान को ध्यान में रखते हुए दिल्ली की इफको संस्था ने वर्ष 2024 का 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य सम्मान' कथाकार चन्द्र किशोर जायसवाल को देने का फैसला किया।

बिहार के मधेपुरा जिले में जन्मे चन्द्र किशोर के अब तक 11 उपन्यास प्रकाशित हुए हैं। इनमें गवाह गैर हाजिर, पलटनिया, चिरंजीव, शीर्षक, जीवछ का बेटा बुद्ध, मां, दाह, सात फेरे, मणिग्राम, भट्ठा और दुखग्राम शामिल हैं। उपन्यास के साथ उनकी कहानियां और एकांकी भी काफी



वरिष्ठ लेखक विश्वनाथ त्रिपाठी ने साहित्यकार चन्द्र किशोर जायसवाल को श्रीलाल शुक्ल इफको साहित्य सम्मान से नवाजा

प्रसिद्ध हैं। मैं नहिं माखन खायो, मर गया दीपनाथ, हिंगवा घाट में पानी रे!, जंग, दुखिया दास कबीर, किताब में लिखा है, नकबेसर कागा ले भागा, आघातपुष्प जैसे कहानी संग्रह लिखे हैं। इसी के साथ श्रृंगार और सिंहासन जैसे नाटक लिखे हैं।

चन्द्र किशोर जायसवाल की कहानी आखिरी ईंट और पिस्तौल का नाट्य रूपांतरण हुआ है। कुछ कहानियों पर एकांकी तैयार की गई हैं, जिन्हें विभिन्न मंचों पर प्रस्तुत भी किया गया। इन कृतियों के अलावा राजकमल प्रकाशन से इनकी प्रतिनिधि कहानियों का संकलन 'चन्द्र किशोर जायसवाल की प्रतिनिधि कहानियां' का प्रकाशन किया गया है। चन्द्र किशोर जायसवाल को हिंदी में साहित्यिक अवदान के लिए कई सम्मान से नवाजा गया है। इनमें राष्ट्रभाषा परिषद का साहित्य साधना सम्मान, रामवृक्ष बेनीपुरी सम्मान, बनारसी प्रसाद भोजपुरी सम्मान, आनंद सागर कथाक्रम सम्मान, मानबहादुर सिंह लहक सम्मान 2023 सहित कई सम्मान शामिल हैं।

इस साल 30 सितंबर 2024 को चन्द्र किशोर जायसवाल को श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य सम्मान नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टेन सभागार में आयोजित समारोह में दिया गया। डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी ने उन्हें सम्मान से नवाजा। इस मौके पर निर्णायक मंडल का हिस्सा रहे कथाकार असगर वजाहत, डॉ. अना. मिका, प्रियदर्शन और उत्कर्ष शुक्ल भी शामिल रहे। इफको के प्रबंध निद. शक ने कहा कि जायसवालजी सामा. जिक सरोकारों के रचनाकार हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि लेखक डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी ने चन्द्र किशोर जायसवाल को सम्मानित करने के अवसर पर अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कहा कि शोधपरक लेखन के जरिए समाज के यथार्थ को मुखरित करने का जो काम चन्द्र किशोर जायसवाल ने किया है, वह अत्यंत दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि इनकी रचनाओं पर कम लिखा गया है। बेहतर होता कि इनकी रचनाओं पर ज्यादा लिखा जाता। मेरी तो उम्र हो चुकी है, लेकिन फिर भी मैं प्रयास करूंगा कि इनकी कुछ कहानियों पर लिखूं।

बच्चों के चौतरफा विकास के लिए काम करता है क्राई एनजीओ



पिछले दिन क्राई (चाइल्ड राइट्स एंड यू) एनजीओ की कार्यक्रम प्रमुख जया सिंह राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो तरंग 90.0 एफएम की मेहमान थीं। इस दौरान हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार की छात्रा लक्ष्मी ने जया सिंह से क्राई के उद्देश्य और उसकी ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानने का प्रयास किया। साथ ही काम करने के दौरान एनजीओ से जुड़ी चुनौतियों और आने वाले समय की संभावनाओं सहित अनेक बिन्दुओं पर उनसे बातचीत की। उसी बातचीत के संपादित अंश 'कैम्पस कनेक्ट' के पाठकों के लिए यहां पेश हैं...

क्राई एनजीओ क्या है? इसकी शुरुआत किसने और कब की?

क्राई एनजीओ 1979 में शुरू किया गया था। अभी इस संस्था को लगभग 45 वर्ष हो चुके हैं। इसकी शुरुआत रिपन कपूर ने की थी। वह मुम्बई से थे। एक एयरलाइन में काम करते थे। उनके घर के सामने ही स्लम दिखाई देता था। उस समय यह नौकरी सभी लोग करना चाहते थे और इंडियन एयरलाइन से जुड़ना चाहते थे। इसके विपरीत रिपन कपूर को लगता था कि मैं इन स्लम के बच्चों के लिए कुछ कर सकता हूं। उन्होंने छह दोस्तों के साथ मिलकर अपनी मम्मी के घर बैठे–बैठे 50 रुपए का योगदान आपस में किया। उस 50 रूपए से संस्था की शुरुआत हुई। धीरे–धीरे हम अपना विस्तार करते गएफ आज इतने वर्षों के बाद हम लोग लगभग 19 राज्यों में इस संस्था के जरिए काम कर रहे हैं। संस्था के इस काम में कई प्रोजेक्ट चला रहे हैं।

एनजीओ की शुरुआती और वर्तमान चुनौतियां क्या रही हैं?

जब भी आप समाजिक कार्य करने जाएंगे तो चुनौतियां आएंगी। बदलाव का काम करने के लिए जब आपको दिखता है कि कोई व्यक्ति किसी ऐसी समस्या से जूझ रहा है जिसको न वह हल कर पा रहा है और न ही आप समझ पा रहे हैं कि कैसे हल हो? जैसे आप बहुत सारे बच्चों को देखती होंगी सड़क पर काम करते हुए। जब आप आते होंगे तो रेड लाइट पर आपको बच्चे कुछ बेचते हुए दिख जाते होंगे। इस तरह के बच्चों के साथ काम करना, उनके साथ यह समझना कि वह जो ये चुनौतियां सहन कर रहे हैं, उन्हें उन चुनौतियों से बाहर कैसे निकाला जाए। यह सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। लड़कियों की छोटी उम्र में विवाह कर दिया जाता है। बच्चों के साथ इतने अपराध हो रहे हैं। यह सब चुनौतियां ही हैं। जैसे अगर आप देखें तो हमारा सेंसेस है, जो हमारी जनगणना है 2011 की, उसमें बताया गया है कि करीब तीन करोड़ से अधिक बच्चे चाइल्ड लेबर हैं। अगर आप एनसीआरबी का डाटा देखें तो वह बताता है कि 2008 से 2018 के बीच लगभग 500 प्रतिशत बच्चों के खिलाफ जो अपराध हैं, वह बढ़ गए हैं। अब आप ही सोचिए कि चुनौतियों का स्तर कैसे बढ़ रहा है? अगर आप देखें दिल्ली जैसे शहर में जहां बच्चों को सभी चीज की सुविधा है। वहीं गांव जैसे इलाकों में बच्चों को स्कूल तक पहुंचने के लिए कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रास्ते न होने की वजह से जंगलों के बीच से जाना, नदियों को पार करना और ऊपर से लड़कियों को भेजना नहीं चाहते, क्योंकि जेंडर का बड़ा मसला है। लड़कियों के लिए अलग–अलग तरीकों की चुनौतियां हैं। लोग चाहते ही नहीं हैं कि लड़कियां पढ़ें और आगे बढ़ें। मां–बाप को यह लगता है कि अगर मेरी बेटी बाहर जाएगी तो उसके साथ गलत न हो जाए। यह जो डर है वह अलग तरह की चुनौती है। माता–पिता को यह समझा पाना कि क्यों बच्चों के लिए पढ़ाई जरूरी है, यह एकदम अलग तरह की चुनौती है। इस तरह से चुनौतियां तो अनगिनत हैं लेकिन एक बात मैं कहना चाहूंगी कि ये सभी चुनौतियां ऐसी हैं जिनको हल किया जा सकता है। इस तरह की चुनौतियां भी हम लोगों ने ही खड़ी की हैं, इनको हल भी हम साथ आकर कर सकते हैं। आज हम आपके महाविद्यालय के कम्युनिटी रेडियो तरंग 90.0 एफएम पर हैं। हर एक व्यक्ति जो इस तरीके की बातें सुनता है। पढ़ता है। उसको इस बात के लिए तैयार होना है कि हमें इन चुनौतियों में अपना बेहतर देना है, जिससे इसे हम कम कर सकें।

क्राई एनजीओ बच्चों से जुड़े किन मुद्दों पर काम करता है?

यह एनजीओ बच्चों से जुड़े सभी मुद्दों पर काम करता है। इसमें हम बच्चों से जुड़े कार्यक्रम को भी शामिल करने की कोशिश करते हैं। जैसे आपका शिक्षा का मुद्दा है कि हर बच्चे को पढ़ना जरूरी है और हमारे देश का इस संबंध में कानून भी है। यह कानून कहता है कि 14 साल के हर बच्चे के लिए पढ़ाई मुफ्त है। अनिवार्य है, लेकिन इतना आसान नहीं है तो इसलिए हम लोग भी कोशिश करते हैं कि हर बच्चा पढ़ाई करे। हम लोग इस मुद्दे पर भी काम करते हैं कि हर बच्चे को जीने का अधिकार होना चाहिए। सवाल इस बात का है कि जीने का अधिकार कैसे होगा? पहले तो बच्चा स्वस्थ पैदा हो और अच्छे ढंग से उसे खाना–पीना नसीब हो। उसे हर तरह की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो। इसके बाद उसे खेलने कूदने का अधिकार हो। उस बच्चे की भी सुनी जानी चाहिए। इस तरह ये सभी बच्चों से जुड़े मुद्दे हैं, जिन पर हम काम करते हैं। इसके अलावा अन्य मुद्दे देखें तो चाइल्ड लेबर, चाइल्ड मैरिज और सेक्सुअल एब्यूज जैसे मसले हैं। यह चाइल्ड प्रोटेक्शन या सुरक्षा के मुद्दे सामने आते हैं। हम यानी क्राई इन मुद्दों पर भी काम करता है। हम मुख्य रूप से चार पिलर्स पर काम करते हैं। पहला शिक्षा से संबंधित, दूसरा स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ा मुद्दा, तीसरा सुरक्षा से जुड़ा मामला और चौथा आपकी प्रतिभागिता। इन सभी मुद्दों पर क्राई एनजीओ काम करने की कोशिश करता है।

क्राई एनजीओ के प्रमुख अभियानों के बारे में बताइएगा?

हम हर साल किसी न किसी अभियान के बारे में बात करते हैं। हमने उत्तर भारत में एक अभियान चलाया है, जिसका नाम 'पूरी पढ़ाई देश की भलाई कैंपेन'। इसका उद्देश्य है बच्चियों की पढ़ाई के लिए जागरूकता फैलाना। हमारी यह भी कोशिश है कि लड़कियां कम से कम बारहवीं तक अपनी शिक्षा ग्रहण कर सकें। इसके बाद हमने पिछले वर्ष एक और कैंपेन चलाया था, जिसका नाम था 'लेट्स टॉक अबाउट पीरियड्स'। इसमें बच्चियों को पीरियड्स पर खुलकर बात करने के लिए जागरुक किया गया। इससे पहले एक और कैंपेन चलाया गया था, जिसका नाम था 'एंटी चाइल्ड लेबर कैंपेन'। इस कैंपेन की टैग लाइन थी 'डोंट हेल्प चिल्ड्रन', जिसका मतलब था–बच्चों की मदद न करें। यह सुनकर लोगों ने कहा कि यह कैसी टैग लाइन है! तो हमने बताया कि जब बच्चे रेड लाइट पर भीख मांगने आते हैं तो उसमें हम उनकी मदद करने लिए पैसे देते हैं, पर यह गलत है। अगर आप उनको खाने का सामान और अच्छे कपड़े देते हैं तो यह गलत है। उसके बदले उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्हें सामान देने से उद्देश्य हल नहीं होता है। हमारे इस कैंपेन का उद्देश्य भी यही है कि आप उनकी यानी बच्चों की मदद न करें बल्कि उनको पढ़ाई के लिए प्रेरित करें।

एनजीओ को आर्थिक सहायता कहां से प्राप्त होती है? आपके एनजीओ को आर्थिक सहायता कैसे दी जा सकती है?

हम लोगों के तीन मुख्य तरीके हैं जिसे हमें आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। एक बड़े कॉरपोरेट की ओर से मिलती है। मसलन–बजाज और ओरेकल जैसे बड़े कॉरपोरेट हैं। सीएसआर फण्ड हमें मिलता है। इसके अलावा कॉरपोरेट के अपने इंस्टीट्यूशनल ग्रांट्स भी होते हैं। अलग से भी जैसे मलाला हैं। इसके अलावा एचसीएल टाइप के कॉरपोरेट अपने इंस्टीट्यूशनल ग्रांट्स रखते हैं। इसके अतिरिक्त हमें एक ग्रांट मिलती है। यह ग्रांट व्यक्तिगत होती है। इसमें वह लोग होते हैं व्यक्तिगत बात करते हैं। ऐसे लोग बच्चों के बारे में समझना चाहते हैं। इसमें चाहे कॉलेज का कोई विद्यार्थी हो या ऑटो रिक्शा वाला हो। कोई भी व्यक्ति हमसे जुड़ सकता है। छोटी–छोटी सहायता के साथ लोग हमसे जुड़ते हैं। व्यक्तिगत तौर पर भी हमारे पास सहायता आती है। यह हमारे लिए पैसे का बड़ा स्रोत है।

अगर किसी को क्राई एनजीओ के साथ जुड़ना है तो उसके लिए क्या प्रावधान आपने तय किया हुआ है?

क्राई एनजीओ से जुड़ने के लिए आप हमसे संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा दूसरा माध्यम आप वेबसाइट के जरिए संपर्क कर सकते हैं। हमारी वेबसाइट www.cry.org है। इसके लिए लोग हमसे जुड़ सकते हैं और कार्यों में अपना योगदान दे सकते हैं।

फिल्म से खोजी पत्रकारिता सिखाने का प्रयास



शिक्षिका डॉ. सीमा भरती ने 'न्यू देल्ही टाइम्स' फिल्म के बारे में की बात।

जया सिंह

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से 30 अगस्त 2024 को फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। खोजी पत्रकारिता पर केंद्रित फिल्म 'न्यू देल्ही टाइम्स' की स्क्रीनिंग की गई। यह फिल्म एक अखबार के संपादक के बारे में है, जो राजनीति, मीडिया और भ्रष्टाचार के गठजोड़ को उजागर करती है।

फिल्म पत्रकारिता के क्षेत्र में एक पत्रकार को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, यह दिखाने का प्रयास फिल्म करती है। साथ ही खोजी पत्रकारिता के विभिन्न आयामों के बारे में बताती है। एक सच्चे पत्रकार को कैसे राजनीति प्रभावित करती है ,कैसे उनका काम उनकी निजी जिंदगी पर प्रभाव डालता है। यह सब इस फिल्म में देखने को मिलता है, जिसका निर्देशन रमेश शर्मा ने किया है। इसे वरिष्ठ गीतकार गुलजार ने लिखा है। फिल्म में शशि कपूर , शर्मिला टैगोर, ओम पुरी और कुलभूषण खरबंदा जैसे दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार की शिक्षिका डॉ. सीमा भारती ने फिल्म के महत्वपूर्ण पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। आयोजन में पत्रकारिता के द्वितीय और तृतीय वर्ष के अनेक विद्यार्थियों के साथ विभाग के शिक्षक डॉ. अटल तिवारी और डॉ. निशा सिंह भी उप. स्थित रहीं।

अपनी कला और कौशल से आगे बढ़े : प्रो. अश्विनी

दिव्या

नई दिल्ली। भारत ने आज से विकसित देश बनने के लिए कार्य करना शुरू नहीं किया बल्कि हजारों साल पहले भारत एक विकसित देश हुआ करता था। भारत विकसित बनने की दर से नीचे तब आया, जब उसने गुलामी का सामना किया। यह बात प्रो. अश्विन महाजन ने 23 सितंबर को राम लाल आनंद महाविद्यालय के ईसेल के ओरिएंटेशन में कही। प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि यह सेल आपको एक मंच प्रदान करता है। आप यहां अपने बिजनेस संबंधित विचारों को रखें। महाविद्यालय के कई विद्यार्थी बड़े स्तर पर अपना बिजनेस कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय परिसर में लगे कोफी कॉफी का जिक्र किया। प्रो. अश्विनी ने कहा कि आप अपनी कला और कौशल से आगे बढ़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ–साथ आप अपनी कला और कौशल पर भी लगातार काम करें। इस दौरान ईसेल के संयोजक डॉ. राजीव वशिष्ठ, सह–संयोजिका डॉ. अनुभा सैनी और प्रो. सीमा गुप्ता समेत ढेरों विद्यार्थी मौजूद रहे।

शेक्सपियर के मैकबेथ से मकबूल तक का सफर

आस्था त्रिपाठी

- आरएलएसी की यूबिक्विटस समिति ने फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया
- पैनल डिस्कशन से विद्यार्थियों को अंग्रेजी साहित्य से अवगत कराया गया

नई दिल्ली। शेक्सपियर की मैकबेथ का फिल्मी रूपांतरण है विशाल भारद्वाज की फिल्म 'मकबूल'। यह फिल्म हमारे समाज में स्त्री और पुरुष के बीच के अंतर की रेखा को सबके सामने लाती है। जब यह कहानी मूल रूप से 1700 में शेक्सपियर ने लिखी थी, उस समय के समाज में यह सोच पाना और एक फिल्म के रूप मे इसे दिखा पाना बड़ी बात थी।

अंग्रेजी विभाग के शिक्षक ताहा यासीन ने फिल्म पर आधारित पैनल डिस्कशन में फिल्म के इन आयामों पर जोर दिया। पैनल डिस्कशन में शिक्षिका डॉ. प्रज्ञा देशमुख ने कहा कि चर्चा का विषय यह है कि इस रूपांतरण में बदला क्या है? निश्चित ही फिल्म में बॉलीवुड का तड़का लगा है, जो हमे मुम्बईपन और माफिया के रूप में दिख जाता है, पर क्या इसके अलावा कहानी के मुख्य पात्रो की जिंदगी, उनके कार्य, समाज पर उनके असर आदि विषयों पर भी फिल्म के लिए बदलाव किए गए हैं। किसी कहानी का फिल्मी रूपांतरण कितनी बेहतर तरीके से किया गया है यह इस बात का प्रमाण नहीं है कि फिल्म कितनी बेहतरीन है, जब कोई कहानी किताब से निकाल कर पर्दे पर आ जाती है तो उससे कहानी के पात्रों की भूमिका बदल जाती है। यह फिल्म स्क्रीनिंग राम लाल आनंद महाविद्यालय की अंग्रेजी साहित्य समिति यूबिक्विटस ने 7 अक्टूबर 2024 को आयोजित करवाई। साथ ही पैनल डिस्कशन किया गया। स्क्री. निंग का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंग्रेजी साहित्य को बेहतर ढंग से समझाना था। समिति अध्यक्ष कोम्या भारती ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

पालतू जानवरों के स्वास्थ्य पर दें ध्यान

राहुल गुप्ता

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना ने पालतू जानवरों की देखभाल पर सेमिनार आयोजित किया। बतौर मुख्य वक्ता जिंगली फाउंडेशन के कार्यक्रम अधिकारी तजमीन अमना ने कहा कि जिंगली फाउंडेशन जानवरों के समग्र देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है। उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाता है। पालतू जानवर सिर्फ साथी नहीं होते, वे परिवार के सदस्य होते हैं। उनकी भलाई हमारे हाथ में है।

सेमिनार का मुख्य उद्देश्य पालतू जानवरों की देखभाल और उनके साथ जुड़ाव को बेहतर बनाना था। तजमीन अमना ने पालतू जानवरों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। जैसे उनके खान–पान, व्यायाम और मानसिक उत्तेजना। उन्होंने पालतू जानवरों के सही वजन के आधार पर उनके लिए कैलोरी की मात्रा भी साझा की। इसके अलावा उन्होंने सुरक्षा उपायों और सक. ारात्मक प्रशिक्षण तकनीकों के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान संयोजक डॉ. अनुराग शर्मा समेत अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।



आरएलएसी के 'कैम्पस कनेक्ट' का विमोचन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय का हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग अपना मासिक ई–न्यूज लेटर 'कैम्पस कनेक्ट' निकालता है। बीते दिनों मासिक ई–न्यूज लेटर के अक्टूबर अंक का विमोचन प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता और हिंदी पत्रकारिता के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने किया। इस अंक के संपादक हिंदी पत्रकारिता के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी आयुष प्रजापति हैं तो उपसंपादक की जिम्मेदारी उत्कर्ष कुमार ने निभाई है। दोनों ने विमोचन की औपचारिकता पूरी कराई।

प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने संपादक और उपसंपादक से बात की। पिछले अंक से मौजूदा अंक में डिजाइन के स्तर पर हुए बदलाव के बारे में पूछा। अगले अंक के संपादक और उपसंपादक की जिम्मेदारी कौन निभाएगा, यह सवाल विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार से किया। संयोजक ने प्राचार्य को अगले अंक की योजना के बारे में बताया। तत्पश्चात प्राचार्य ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए इसी तरह लगन से काम करने की सलाह दी।

महाविद्यालय परिसर सुकून का एहसास दे

जया सिंह

नई दिल्ली। हम इंसानों को उस जगह सुकून मिलता है जहां हरियाली हो। हमारी समिति का उद्देश्य भी यही है कि महाविद्यालय परिसर हमें सुकून का एहसास दे। यह बात राम लाल आनंद महाविद्यालय की हिरव समिति के 1 अक्टूबर को हुए ओरिएंटेशन में शिक्षक सदस्य डॉ. निधि यादव ने कही। साथ ही कोरोना के दौरान औषधीय पौधें और हर्बल उद्यान की उपयोगिता को बताया। संयोजिका डॉ. रीटा जैन ने समिति के कार्यों के बारे में बात रखी। इसके अलावा समिति से जुड़ने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया, जिसमें विद्यार्थियों को उससे जुड़ी जानकरियां दी गईं। समिति के कार्यों को पीपीटी के जरिए दिखाया गया।

इवेंट की पहल करें, पर रचनात्मकता तरीके से

राहुल गुप्ता

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने 24 सितंबर को एनएसएस दिवस के अवसर पर नॉट मी बट यू यानी मैं नहीं बल्कि तुम मोटो पर समारोह आयोजित किया। इसके सेमिनार सत्र में स्वयंसेवा और नेतृत्व विषय पर अनुज ने कहा कि एनएसएस को आगे लेकर जाना है तो ऊर्ध्वाधर नहीं क्षैतिज दिशा में कार्य करना होगा।

वर्ष 2021–22 में बेस्ट वॉलंटियर अवार्ड से नवाजे गए अनुज ने एनएसएस इवेंट के संदर्भ में तीन मूल बातें कहीं। पहला खुद किसी इवेंट की पहल करें, दूसरा रचनात्मक तरीके से करें और तीसरा सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार करें। उन्होंने सीनियर और जूनियर की आपसी कड़ी को समझाया कि कैसे आपसी तालमेल बैठाएं।

अनुज अपने एनएसएस जीवन को साझा करते हुए कहा कि खूब गलतियां कर मैंने सीखा और इवेंट को सफल बनाया। इवेंट को दिल और भाव से करें तो आनंद आएगा। कछुआ और खरगोश की कहानी को विस्तार करते हुए एनएसएस के मोटो नॉट मी बट यू के वास्तविक अर्थ को उन्होंने समझाया।

इस दौरान एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. अनुराग शर्मा, आरएलएसी के एनएसएस अध्यक्ष जीवांश आहूजा, उपाध्यक्ष मानवी समेत बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहे।

एआई के सही इस्तेमाल के बारे में बताना चाहिए: मानसी बजाज

जया सिंह

नई दिल्ली। आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस (एआई) इस्तेमाल करने के साथ ही बेहतर होता जा रहा है । हमारे दिए हुए ज्ञान को और बेहतर तरीके से हम तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। यह कहना है डॉ. मानसी बजाज का। आरएलएसी के अंग्रेजी विभाग की यूबिक्यूटस सोसाइटी ने 17 सितम्बर को ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में येल विश्वविद्यालय में हिंदी की प्रवक्ता डॉ. मानसी बजाज ने भाषा वर्ग में भाग लेने के लिए एआई का उपयोग करना विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को एआई के सही इस्तेमाल के बारे में बताया जाए। इसी संदर्भ में आज के समय में एआई की उपयोगिता और आवश्यकता जैसे विषयों को समझाते हुए कहा कि अब एआई हमारे जीवन से जा नहीं सकता। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा के संदर्भ में एआई के कार्य और प्रक्रिया को बताना था। अंत में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया। इस दौरान समिति की संयोजिका मीनाक्षी ब्रह्म, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. उर्वशी कुहाड़ के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

लेखनी को बेहतर करती है अभिव्यक्ति

अमृत कुमार/नई दिल्ली। आरएलएसी की हिंदी रचनात्मक लेखन समिति अभिव्यक्ति ने 9 अक्टूबर को ओरिएंटेशन में नए विद्यार्थियों को समिति के बारे में बताया। समिति संयोजक डॉ. मानवेश नाथ दास ने कहा कि यह समिति विद्यार्थियों की लेखन शैली की बेहतरी के लिए काम करती है। साथ ही रचनात्मक लेखन के लिए निरंतर अभ्यास जरूरी है। समिति के सहसंयोजक डॉ. राजेश गौतम ने कहा कि यह समिति बोलने और लिखने के कौशल के विकास के लिए कार्य करती है। इस मौके पर विभाग की शिक्षिका डॉ. ऐनी रे, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. रीना कासना सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

फाइन आर्ट प्रदर्शनी ने आकर्षित किया

श्वेता सिंह/नई दिल्ली। आरएलएसी की इनारा समिति ने नवांगतुकों के लिए 24 सितंबर को हुए ओरिएंटेशन में समिति के गत वर्ष के कार्यों के बारे में बताया। इसी कड़ी में कलाकृति के बारे में बताया गया, जिसमें दीप को पेंट किया जाता है, जो हर साल दिवाली के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक प्रस्तुति के माध्यम से इनारा समिति ने अपने कार्यों–पेंटिंग्स और वॉल आर्ट एंड क्राफ्ट के बारे में बताया। ओरिएंटेशन के साथ फाइन आर्ट प्रदर्शनी लगाई गई। संचालन इनारा समिति की अध्यक्ष श्रुति मिश्रा ने किया। फाइन आर्ट प्रदर्शनी में तरह तरह के फोटो, पेंटिंग, कलाकृतियां और पट्टचित्र के पोस्टर लगाए गए।

विचारों को तार्किक बनाती है आवाज

खुशी शाक्या/नई दिल्ली। आरएलएसी की अंग्रेजी वाद–विवाद समिति आवाज ने 25 सितंबर को ओरिएंटेशन में विद्यार्थियों को समिति के कामकाज और उसके उद्देश्यों के बारे में बताया। समिति में मुख्य रूप से मार्केटिंग, इवेंट मैनेजमेंट, ग्रा. फिक्स डिजाइनिंग, आउटरीच और इवेंट प्रेस विभाग हैं, जो समय समय पर वाद विवाद प्रतियोगिताओं के आयोजन से लेकर प्रतिभागियों की तैयारी तक सभी कार्यों को सुचारु रूप से आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान एक मॉक डिबेट का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम से जुड़े विद्यार्थियों ने भाग लिया। इससे पहले समिति के वरिष्ठ सदस्यों ने आवाज का परिचय दिया।

पर्स में रखे दस्तावेज स्कैन करते अपराधी

खुशी चौहान/नई दिल्ली। हमारा मोबाइल आज के समय में बम है। आप सुनिश्चित करें कि आप अपनी महत्वपूर्ण जानकारी किसी सुरक्षित जगह पर संरक्षित कर रहे हैं। दुनिया जितनी जल्दी विकास कर रही है, उसी के साथ साइबर अपराध और क्राइम भी बढ़ते जा रहे हैं। यह बात मुख्य वक्ता प्रो. अंकित चौधरी ने 25 सितंबर को आरएलएसी की सेंटर ऑफ साइबर सिक्योरिटी और फॉरेंसिक समिति के ओरिएंटेशन में कही। उन्होंने बताया कि आपके पर्स में रखे दस्तावेज भी सुरक्षित नहीं हैं। समिति की संयोजिका साक्षी शर्मा ने बताया सेंटर का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवीन जानकारियों के जरिए सशक्त बनाना हैं।

ग्रासरूट समिति ने पेश किए गीत

रोहित/नई दिल्ली। आरएलएसी की वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी ग्रासरूट ने 30 सितंबर को ओरिएंटेशन किया। साथ ही उन्होंने फोक मिजो बैंड कबीले के बारे में बताया। शॉर्ट फिल्म के माध्यम से ग्रासरूट ने अपनी पुरानी यादों को दिखाया। पूर्व अध्यक्ष आदिल हुसैन ने कहा कि यहां आपको भरपूर अवसर मिलेंगे। पूर्व वोकल ट्रेनर थंग ने कहा कि यहां ढेरों अनुभवी लोग मिलेंगे। यहां आप उन्नति करेंगे। अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। आप ग्रासरूट से जुड़कर अपनी कला को निखार सकते हैं। इस मौके पर सोसाइटी सह संयोजिका डॉ. एम सलोमी जॉन, डॉ. रियंका और डॉ. सरवरी के साथ भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

सेना की जगह अहिंसा की ज्यादा जरूरत है



गांधी जयंती के उपलक्ष्य में राम लाल आनंद महाविद्यालय से निकाली गई शांति पदयात्रा में शामिल हुए विद्यार्थी।

- आरएलएसी की गांधी स्टडी सर्किल समिति ने शांति पदयात्रा निकाली
- प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया

दिव्या

नई दिल्ली। एक ऐसी योजना, एक ऐसा अभियान चलाया जाए जो विश्व को शांति प्रदान करे। जिसका अंतिम उद्देश्य होना चाहिए कि विश्व में सेना की जगह मिशन अहिंसा की जरूरत है। विश्व में ऐसी सेना को भेजा जाए, जिसके पास हथियार न हों। वह शांति का प्रचार–प्रसार करे। अपने जीवन काल में युवाओं को महात्मा गांधी की पुस्तक 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' अवश्य पढ़नी चाहिए। साथ ही उससे प्रेरणा भी लेनी चाहिए। यह बात राम लाल आनंद महाविद्यालय की गांधी स्टडी सर्किल के सह संयोजक डॉ. कृष्ण गोपाल त्यागी ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में 1 अक्टूबर को आयोजित शांति पदयात्रा के दौरान कही।

गांधी स्टडी सर्किल की देखरेख में आयोजित शांति अहिंसा पदयात्रा को प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पदयात्रा राम लाल आनंद महाविद्यालय परिसर से दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर तक गई। इसमें करीब 100 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। गांधीजी के विचारों वाले पोस्टर लेकर विद्यार्थी इस शांति पदयात्रा में शामिल हुए। उनके विचारों को आसपास के लोगों के बीच पहुंचाने का प्रयास किया। शांति पदयात्रा में 'तभी बोलो जब वह मौन से बेहतर हो' और 'खुद में वह बदलाव कीजिए, जो आप दुनिया में देखना चाहते हो' जैसे गांधीवादी विचारों के पोस्टर देखने को मिले। महाविद्यालय की शास्त्रीय संगीत समिति दस्तूर ने सरस्वती वंदना के साथ गांधीजी के प्रिय भजनों में से एक 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' प्रस्तुत किया।

गांधी स्टडी सर्किल समिति के संयोजक प्रो. राजेंद्र सिंह ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें गांधीजी को साल में सिर्फ दो दिन ही नहीं याद करना चाहिए बल्कि उनके विच. ारों, आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। समिति के सदस्य दक्ष जैन और युद्धवीर सिंह ने स्व. रचित कविताओं का पाठ किया। उनकी कविताओं ने उपस्थित विद्यार्थियों को नई ऊर्जा से भर दिया। इसी कड़ी में विद्यार्थियों को गांधीजी के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

समिति के बारे में जानकारी देते हुए उसके कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए समिति अध्यक्ष अमन चौधरी ने आने वाले समय में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बात की। इस अवसर पर डॉ. ऋतंभरा और डॉ. प्रदीप कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा



हिंदी पत्रकारिता के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा।

योगेश

नई दिल्ली। शिक्षक और विद्यार्थी दोनों मिलकर विभाग का निर्माण करते हैं। शिक्षक नींव तैयार करता है और विद्यार्थी उस नींव के सहारे ऊंचाइयों को छूते हैं। यह बात राम लाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने विभाग की ओर से 4 अक्टूबर को आयोजित टैलेंट हंट कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से कनिष्ठ विद्यार्थी अपने वरिष्ठ विद्यार्थियों से परिचित होकर सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। विभाग ने टैलेंट हंट के साथ क्विज प्रतियोगिता भी की।

पत्रकारिता परिषद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पहले डाक्यूमेंट्री के माध्यम से विद्यार्थियों को विभाग के परिचय के साथ–साथ उसकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के कौशल परीक्षण के लिए दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पहले चरण में सभी नवागंतुकों ने अपना परिचय रचनात्मक रूप से दिया। दूसरे चरण में क्विज प्रतियोगिता की गई। इस मौके पर नवागंतुकों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

निर्णायक मंडली के रूप में विभाग के शिक्षक रहे। प्रतिभा के आधार पर नंदनी वार्ष्णेय प्रथम और अमृत पांडेय दूसरे स्थान पर रहे। बाकी सभी नवागंतुक विद्यार्थियों को पुरस्कार के रूप में बुकमार्क और मिस्टर हैंडसम, सेल्फी गुरु और कलमकार जैसे टैग दिए गए। इस मौके पर विभाग के शिक्षक डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा भारती, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. निशा सिंह, रेडियो तरंग की फरजीन सुल्तान के साथ विद्यार्थी मौजूद रहे।

हिंदी विभाग के डॉ. रोशन लाल मीणा हुए सम्मानित



निर्मला स्मृति हिंदी साहित्य रत्न सम्मान से नवाजे गए डॉ. रोशनलाल।

आयुष प्रजापति

नई दिल्ली। वैश्विक हिंदी सेवा, भाषा, साहित्य और अनुवाद पर काम करने के लिए राम लाल आनंद महाविद्यालय के डॉ. रोशन लाल मीणा को निर्मला स्मृति हिंदी साहित्य रत्न सम्मान से सम्मा. नित किया गया। यह सम्मान उन्हें भारतीय संस्कृति के प्रति निरंतर लिखने के लिए दिया गया। चरखी दादरी, हरियाणा की निर्मला स्मृति साहित्यिक समिति ने 29 सितंबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्योत्सव में यह सम्मान दिया। डॉ. रोशन लाल महाविद्यालय के हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। यह राजस्थान के कालाखोह गांव के निवासी है।

शोध संस्थान कुरुक्षेत्र, हरियाणा में आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. नरेश मिश्र समेत देश विदेश से ढेरों भाषाविद, कवि, साहित्यकार और अनुवादक शामिल हुए। साथ ही उन्होंने विभिन्न विषयों पर अपने विचार भी रखें।

आरएलएसी गौरव

एकचुरियल साइंस में उभरते रुझान

खुशी शाक्या

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की द कॅरिअर काउंसलिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल (पाथवे) ने वेबिनार आयोजित किया, जो एकचुरियल साइंस के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र के बारे में जानकारी और जागरूकता के लिए किया गया।

एकचुरियल साइंस के क्षेत्र में 6 वर्षों की अनुभवी सुर्भि हंदा और 5 वर्षों का अनुभव लिए तान्या अग्रवाल ने कहा कि बीमा, वित्त और जोखिम प्रबंधन में कॅरिअर की ढेरों संभावनाएं हैं। इससे जुड़े प्रमुख कौशल गणित, स्टैटिस्टिक और डेटा विश्लेषण जैसे विषयों पर जोर दिया जाए। इसके अलावा दोनों वक्ताओं ने प्रोफेशनल एकचुरियल एग्जाम और प्रमाण पत्र जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन में बीमांकिकों की भूमिका के बारे में बताया। वेतन संभावनाएं और नौकरी की मांगों से विद्यार्थियों को रूबरू कराया। वेबिनार में प्लेसमेंट सेल के संयोजक डॉ. पवन कुमार सहित सभी सदस्य व 50 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे।

आरएलएसी एनसीसी की भर्ती में उत्साहित दिखे विद्यार्थी

जया सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय और आर्यभट्ट महाविद्यालय में 25 सितंबर 2024 को एनसीसी में नए विद्यार्थियों को भर्ती करने की प्रक्रिया अपनाई गई। इसमें प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शामिल हुए।

एनसीसी का हिस्सा बनने के लिए विद्यार्थियों को दो चरण की परीक्षाओं से गुजरना पड़ा। पहला चरण शारीरिक परीक्षण का रखा गया, दूसरा लिखित परीक्षा के रूप में हुआ। लिखित परीक्षा में समसामयिक घटनाओं से जुड़े प्रश्न पूछे गए। भर्ती प्रक्रिया में 7 दिल्ली बटालियन के पीआई स्टाफ एस. मंडल, अजीत कुमार, एच. लाइन स्माइल की अहम् भूमिका रही। पूरी प्रक्रिया को देखने के बाद उन्होंने सम्बंधित चयन सम्पन्न कराया। इस दौरान 7 दिल्ली बटालियन के कमांडिंग ऑफीसर कर्नल वीके उप्रेती की मौजूदगी रही। उन्होंने परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों से बात कर उनका हौसला बढ़ाया। सत्र के दौरान दिल्ली विवि सहित राम लाल आनंद महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी मेजर प्रो. संजय कुमार शर्मा और आर्यभट्ट महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. चंद्रशेखर निषाद उपस्थित रहे। इस नामांकन सत्र में दोनों महाविद्यालय से लगभग 70 विद्यार्थियों ने भागीदारी दिखाई। इस चयन को सम्पन्न कराने में एनसीसी के सीनियर कैडेट पूरे समय मौजूद रहे।

इससे पहले राम लाल आनंद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने कमांडिंग ऑफीसर कर्नल वीके उप्रेती सहित बाहर से आए लोगों का स्वागत किया। साथ ही उनकी ओर से किए जा रहे सहयोग और काम की प्रशंसा की।

अभिव्यक्ति में व्यक्त करें रचनात्मकता

जया सिंह

नई दिल्ली। राम लाल आनंद महाविद्यालय की अंग्रेजी रचनात्मक लेखन समिति अभिव्यक्ति ने ओरिएंटेशन किया। इससे पहले समिति ने शुरुआती यात्रा को साझा किया। गत वर्षों में उन्होने मोतीबाग और जेजे कॉलोनी जाकर पुस्तक मेला और साहित्यिक प्रतियोगिता आयोजित की ताकि उस क्षेत्र के बच्चे लिखने पढ़ने में दिलचस्पी दिखाएं। इसके अलावा अभिव्यक्ति ने आगामी दिनों की रूपरेखा साझा की। कार्यशाला, कैरेक्टर स्क्रंचिंग, ऑथर्स मीट, लिरिकल अनुवाद और कैरेक्टर आधारित वाद विवाद प्रतियोगिता के बारे में बताया। इसके अलावा अभिव्यक्ति ने आगामी दिनों की रूपरेखा साझा की। इस सत्र में ब्रेन स्टोर्मिंग खेल आयोजित किया गया, जिसमें अंग्रेजी साहित्य से जुड़े प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले को गिफ्ट मिला। संचालन धैर्या ने किया। इस दौरान सोसाइटी संयोजिका डॉ. दीप्ति भारद्वाज और सह संयोजिका सुश्री मीनाक्षी ब्रह्म के साथ विद्यार्थी मौजूद रहे।

एंकर के लिए भाषा का ज्ञान व शब्दों का भंडार जरूरी

खुशी चौहान

नई दिल्ली। हमें लिखना है, पढ़ना है, रिसर्च करनी है, फिर दर्शकों और श्रोताओं तक पहुंचानी है। अभ्यास के बिना अच्छा बोलना मुमकिन नहीं है। आपकी आवाज, आपकी भाषा, आपकी ताकत है। यह बात 8 अक्टूबर को अंदाज समिति की कार्यशाला में एफ.एम. रेनबो की रेडियो जॉकी गीतिका उनियाल ने कही। उन्होंने कहा एक एंकर के पास भाषा का ज्ञान और शब्दों का भंडार होना चाहिए। एंकर और रेडियो जॉकी बनने के लिए सबसे जरूरी चीज आपका कंटेंट और स्क्रिप्ट है। आपके शब्द आपको निखारेंगे। उन्होंने एंकर का महत्व बताते हुए कहा कि बोलने वाले लोग बहुत हैं लेकिन अच्छे बोलने वालों की तलाश होती है। एक अच्छा एंकर एक अच्छा पाठक होता है। उन्होंने कहा कि अच्छी एंकरिंग करने के लिए हमें अपने विषय के बारे में पता होना जरूरी है। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि हमारा मकसद खूब अभ्यास करना होना चाहिए।



रेडियो जॉकी गीतिका उनियाल ने एंकरिंग के गुर सिखाए।

- अंदाज ने किया एंकरिंग वर्कशॉप का आयोजन
- आरजे गीतिका उनियाल ने अपना अनुभव साझा किया

एक अच्छा एंकर और रेडियो जॉकी वही बन सकता है, जो अभ्यास करता हो। रेडियो जॉकी गीतिका ने अपना रेडियो जॉकी और एंकर बनने का सफर भी विद्यार्थियों के साथ साझा किया। इसके बाद समिति के सदस्यों ने अपनी एंकरिंग का प्रदर्शन किया। इस आर्ट ऑफ एक्सप्रेशन कार्यशाला का आयोजन राम लाल आनंद महाविद्यालय की एंकरिंग समिति अंदाज ने किया, जिसमें एफ.एम. रेनबो की रेडियो जॉकी गीतिका उनियाल वक्ता थीं।

कार्यशाला में विद्यार्थियों के सवालों के लिए प्रश्न और उत्तर का सत्र भी हुआ, जिसके जवाब विशेषज्ञ ने दिए। इस दौरान अंदाज समिति की संयो. जिका प्रो. मुक्ता दत्ता मजूमदार, सह संयोजिका डॉ. एम सलोमी जॉन, डॉ. दीपशिखा और समन्वयक डॉ. उर्वशी कुहाड़, डॉ. अनुभूति, डॉ. प्रदीप कुमार सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। प्रो. मुक्ता दत्ता मजूमदार ने पौधा देकर वक्ता आरजे गीतिका उनियाल को सम्मानित किया। संचालन का कार्यभार समिति की सदस्य रूही और यश ने संभाला।

संरक्षक मंडल
प्राचार्य
प्रो. राकेश कुमार गुप्ता
विभागाध्यक्ष
प्रो. राकेश कुमार
परामर्शदाता
डॉ. अटल तिवारी
संपादक
उत्कर्ष कुमार
उपसंपादक
दिव्या